



कर्नाटकप्रशासनम्

# संस्कृतरश्मिः - १

तृतीयभाषा - संस्कृतम्

षष्ठी कक्ष्या

(Revised)

द्वितीयः भागः

6

**SAMSKRITHA RASHMI-1**

**SIXTH STANDARD**

**THIRD LANGUAGE - SANSKRIT**

**PART-2**

**KARNATAKA TEXTBOOK SOCIETY (R)**

**6th Cross, Malleshwaram, Bengaluru-560 003.**

## विषयसूची

| क्र.सं. | विषयसूची                                  | पृष्ठसंख्या |
|---------|-------------------------------------------|-------------|
| १४.     | चतुर्दशः पाठः चैत्रोत्सवः                 | १           |
|         | द्वादशमासाः - षट् ऋतवः                    | ५           |
|         | तिथयः-पर्वदिनानि- उत्सवाः च               | ६           |
|         | सप्तवासराः                                | ७           |
| १५.     | पञ्चदशः पाठः अहो काकस्य मूर्खता           | १०          |
| १६.     | षोडशः पाठः त्यागमूर्तिः रन्तिदेवः         | १४          |
| १७.     | सप्तदशः पाठः सुभाषितानि (कण्ठपाठः करणीयः) | १९          |
| १८.     | अष्टादशः पाठः संख्याः                     | २३          |
|         | समयः                                      | २९          |
| १९.     | एकोनविंशः पाठः महावीराचार्यः              | ३०          |
| २०.     | विंशः पाठः वीरगोपालः                      | ३३          |
| २१.     | एकविंशः पाठः रामभक्तः मारुतिः             | ३९          |
| २२.     | द्वाविंशः पाठः उद्यानम्                   | ४४          |
| २३.     | त्रयोविंशः पाठः विश्वामित्रः              | ४९          |
| २४.     | चतुरविंशः पाठः सप्तककाराः                 | ५४          |
| २५.     | पंचविंशः पाठः देशभक्तिगीतम्               | ५६          |
|         | शब्दकोषः                                  | ५८          |
|         | पाठयोजना                                  | ६२          |

चतुर्दशः पाठः

## चैत्रोत्सवः

नूतनसंवत्सरस्य प्रारम्भः  
चैत्रोत्सवेन भवति। एषः युगादिः,  
वसन्तोत्सवः इति अपि प्रसिद्धः,  
अस्ति।

चैत्रमासे शुक्लपक्षे प्रतिपद् दिने  
युगादिः । वसन्त-ऋतोः आगमनम्।  
अस्मिन् दिने आम्रनिम्बपत्रयोः  
तोरणैः द्वाराणाम् अलङ्कारं  
कुर्वन्ति। गृहस्य अङ्गणे ललनाः  
रङ्गवल्लिविन्यासं रचयन्ति।



गृहस्य जनाः सर्वे उषःकाले एव  
अभ्यङ्गस्तनं (तैलस्तानम्) कुर्वन्ति। नूतनवस्त्राणि धरन्ति। देवान् पूजयन्ति।  
गृहस्य ज्येष्ठः पञ्चाङ्गं पठति। कनिष्ठाः ज्येष्ठान् गुरुन् च नमन्ति। आशीर्वादं  
प्राप्नुवन्ति। बन्धुमित्रेभ्यः शुभाशय विनिमयस्य सम्प्रदायः अपि अस्ति। सर्वे  
विशेषतः निम्बगुडमिश्रणं खादन्ति। अनन्तरं पोलिकाभोजनं खादन्ति।

सायङ्काले देवालयेषु पञ्चाङ्गफलश्रवणकार्यक्रमः (वृष्टिः, कृषिः, ग्रहणम्  
इत्यादिविषयाणां सूचनाः) भवति। मन्दिरेषु अद्य आरभ्य नवमीपर्यन्तं श्रीराम  
कथाश्रवणम् अपि आयोजयन्ति। एतस्य श्रीरामोत्सवः इति कथयन्ति।

## निम्बगुडयोः महत्त्वम्

आयुर्वेदः कथयति - वसन्तऋतोः शारीरिकविकाराणां कृते निम्बं दिव्यौषधम्। निम्बगुडमिश्रणस्य सेवनेन देहस्य समतोलनं साध्यते।

शतायुर्वज्रदेहाय सर्वसम्पत्कराय च।

सर्वारिष्टविनाशाय निम्बकंदलभक्षणम्॥

सुखदुःखम्, अहर्निशम्, रागद्वेषम् एतेषां सङ्केतः निम्बगुडमिश्रणम् इति कविवाणी । सुखदुःखम् , लाभनष्टम्, जयापजयम् एतान् समानभावेन स्वीकृत्य स्थितप्रज्ञो भव इति आध्यात्मिकसन्देशोऽत्र अस्ति।

चैत्रमासे सस्यानि विकसन्ति विलसन्ति च । आम्रपुष्पाणि फलित्वा पक्वानि फलानि भवन्ति। आम्रवृक्षे पिकः मधुरं कूजति। सर्वत्र मनोल्लासः, नवोल्लासः च भवति।

### विशेषांशाः

- \* पुराणानुसारं ब्रह्मसृष्टेः आरम्भदिनम्।
- \* रावणं संहृत्य अयोध्यां प्रत्यागतस्य श्रीरामस्य राज्यभारस्य प्रारम्भदिनम्।
- \* पञ्चाङ्गम् - तिथिः, वारः, नक्षत्रम्, योगः, करणं च।

### अभ्यासः

#### I. एकवाक्येन उत्तरं लिखत।

१) चैत्रोत्सवः किमिति प्रसिद्धः ?

उ. ....

२) युगादिः कस्मिन् दिने भवति ?

उ. ....

३) जनाः उषःकाले किं कुर्वन्ति ?

उ. ....

४) गृहस्य ज्येष्ठः किं पठति ?

उ. ....

५) युगादिदिने विशेषतः किं खादन्ति ?

उ. ....

## II. संयोज्य लिखत।

| अ           | आ                  | उत्तराणि |
|-------------|--------------------|----------|
| चैत्रमासः   | नवरात्रि उत्सवः    | .....    |
| भाद्रपदमासः | दीपोत्सवः          | .....    |
| कार्तिकमासः | सङ्क्रान्ति उत्सवः | .....    |
| पुष्यमासः   | गणेशोत्सवः         | .....    |
| आश्वयुजमासः | रथोत्सवः           | .....    |
|             | श्रीरामोत्सवः      | .....    |

## III. रिक्तं स्थानं पूरयत।

१. ....इति आध्यात्मिकसन्देशः।
२. तोरणैः .....अलङ्कारं कुर्वन्ति।
३. निम्बगुडमिश्रणस्य सेवनेन देहस्य.....साध्यते।
४. सर्वे ..... मिश्रणं खादन्ति।
५. पिकः ..... मासे मधुरं कूजति।

#### IV. पर्यायपदं लिखत।

|       |   |                      |          |   |                      |
|-------|---|----------------------|----------|---|----------------------|
| ललना  | = | <input type="text"/> | मन्दिरम् | = | <input type="text"/> |
| गृहम् | = | <input type="text"/> | पिकः     | = | <input type="text"/> |

#### V. विरुद्धार्थकं पदं लिखत।

|          |   |                      |        |   |                      |
|----------|---|----------------------|--------|---|----------------------|
| ज्येष्ठः | X | <input type="text"/> | नूतनम् | X | <input type="text"/> |
| जयम्     | X | <input type="text"/> | लाभः   | X | <input type="text"/> |

#### VI. इतरवचनद्वयं लिखत।

|                      |                      |                      |
|----------------------|----------------------|----------------------|
| वृक्षस्य             | <input type="text"/> | <input type="text"/> |
| <input type="text"/> | देहयोः               | <input type="text"/> |
| <input type="text"/> | <input type="text"/> | वस्त्राणि            |
| <input type="text"/> | <input type="text"/> | उत्सवैः              |
| <input type="text"/> | <input type="text"/> | देवान्               |

#### VII. इतरवचनद्वयं लिखत।

|                      |                      |                      |
|----------------------|----------------------|----------------------|
| विलसति               | <input type="text"/> | <input type="text"/> |
| <input type="text"/> | खादथः                | <input type="text"/> |
| <input type="text"/> | <input type="text"/> | पश्यामः              |

द्वादश मासाः 12

षट् ऋतवः 06

- १) चैत्रः
- २) वैशाखः
- ३) ज्येष्ठः
- ४) अषाढः
- ५) श्रावणः
- ६) भाद्रपदः
- ७) आश्वयुजः
- ८) कार्तिकः
- ९) मार्गशीर्षः
- १०) पुष्यः
- ११) माघः
- १२) फाल्गुणः
- वसन्तः
- ग्रीष्मः
- वर्षा
- शरद्
- हेमन्तः
- शिशिरः

**तिथयः****पर्वदिनानि**

|          |                                |
|----------|--------------------------------|
| प्रतिपत् | युगादिप्रतिपत्                 |
| द्वितीया | भगिनीद्वितीया                  |
| तृतीया   | अक्षयतृतीया                    |
| चतुर्थी  | गणेशचतुर्थी                    |
| पञ्चमी   | नागपञ्चमी                      |
| षष्ठी    | सुब्रह्मण्यषष्ठी               |
| सप्तमी   | रथसप्तमी                       |
| अष्टमी   | दुर्गाष्टमी                    |
| नवमी     | महानवमी - अयुधपूजा             |
| दशमी     | विजयदशमी                       |
| एकादशी   | वैकुण्ठ एकादशी                 |
| द्वादशी  | उत्थानद्वादशी                  |
| त्रयोदशी | शनित्रयोदशी                    |
| चतुर्दशी | नरकचतुर्दशी                    |
| पूर्णिमा | होलिका पूर्णिमा                |
| अमावस्या | महालय अमावस्या (पितृ अमावस्या) |

**सप्तवासरः**

|    |             |               |                |
|----|-------------|---------------|----------------|
| १. | आदित्यवासरः | भानुवासरः     | प्रपरह्यः<br>↑ |
| २. | सोमवासरः    | इन्दुवासरः    | परह्यः<br>↑    |
| ३. | मङ्गलवासरः  | भौमवासरः      | ह्यः<br>↑      |
| ४. | बुधवासरः    | सौम्यवासरः    | अद्य           |
| ५. | गुरुवासरः   | बृहस्पतिवासरः | श्वः<br>↓      |
| ६. | शुक्रवासरः  | भार्गववासरः   | परश्वः<br>↓    |
| ७. | शनिवासरः    | मन्दवासरः     | प्रपरश्वः<br>↓ |

**अभ्यासः**

|      |            |
|------|------------|
|      |            |
|      | ↑          |
|      | ↑          |
|      | ↑          |
| अद्य | इन्दुवासरः |
|      | ↓          |
|      | ↓          |
|      | ↓          |

ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ

## अवधेयांशाः

### केचन उत्सवाः

- |                                |                                                             |
|--------------------------------|-------------------------------------------------------------|
| १. वर्षारम्भः                  | - चैत्रशुक्ल प्रतिपत् (चान्द्रमाने)                         |
|                                | - मेषसंक्रमणम् (सौरमाने)                                    |
| २. रामनवमी                     | - चैत्र शुक्ल नवमी                                          |
| ३. कृष्ण जन्माष्टमी            | - श्रावण कृष्णाष्टमी                                        |
| ४. व्यासपूर्णिमा(अषाढपूर्णिमा) | - आषाढ पूर्णिमा                                             |
| ५. गीताजयन्ती                  | - मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी                                   |
| ६. संस्कृतोत्सवः               | - श्रावण पूर्णिमा                                           |
| ७. गौरीगणेशोत्सवौ              | - भद्रपद शुक्ल तृतीया - चतुर्थी च                           |
| ८. नवरात्रोत्सवः               | - आश्वयुज शुक्ल प्रतिपदः दशमी पर्यन्तम्                     |
| ९. दीपावली                     | - अश्वयुज कृष्ण चतुर्दशीतः कार्तिक शुक्ल प्रतिपत् पर्यन्तम् |
| १०. गुरुनानकजयन्ती             | - कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा                                    |
| ११. कनकजयन्ती                  | - कार्तिक शुक्ल तृतीया                                      |
| १२. वाल्मीकिजयन्ति             | - आश्वयुज शुक्ल चतुर्दशी                                    |
| १३. क्रिस्त जयन्ती             | - डिसेम्बर् पचविंशति दिनाङ्के                               |
| १४. मकर संक्रान्तिः            | - सौरमाने मकर प्रतिपत्                                      |
| १५. बुद्ध पूर्णिमा             | - वैशाख पूर्णिमा                                            |
| १६. महावीर जयन्ती              | - चैत्र शुक्ल त्रयोदशी                                      |
| १७. कालिदास जयन्ती             | - कार्तिक शुक्ल द्वादशी                                     |

१८. श्री शङ्कराचार्य जयन्ती - वैशाख शुक्ल पञ्चमी

१९. श्री रामानुज जयन्ती - मेषमासे आर्द्रा नक्षत्रे (सौरमाने)

२०. श्री मध्वाचार्य जयन्ती - आश्वयुज शुक्ल दशमी

२१. बसव जयन्ती - वैशाख शुक्ल तृतीया

२२. विवेकानन्द जयन्ती - पुष्य कृष्ण सप्तमी

२३. गान्धीजयन्ती - अक्टोबर् द्वितीय दिनाङ्के

( भाद्रपद कृष्ण एकादशी २-१०-१८६९ )

२४. डा॥ बि. आर्. अम्बेड्कर् जयन्ती - एप्रिल् चतुर्दश दिनाङ्के

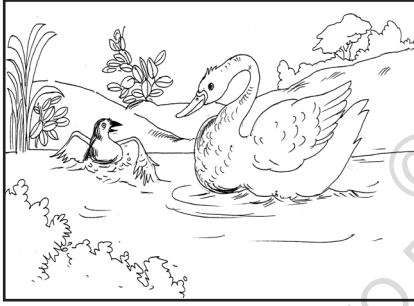
( चैत्र शुक्ल षष्ठी-१४-४-१८९१ )

ॐॐॐॐॐॐॐ

पञ्चदशः पाठः

## अहो ! काकस्य मूर्खता !

एकः जलाशयः अस्ति। जलाशये  
हंसः विहरति। जलाशयस्य तीरे वृक्षः  
अस्ति। काकः हंसं पश्यति। सः चिन्तयति  
“हंसः सर्वदा जलाशये भवति। अतः  
हंसस्य वर्णः श्वेतः। अहं कृष्णः अस्मि।  
अहं स्नानं करोमि। अहम् अपि श्वेतः



भवामि” इति।

अनन्तरं वायसः सलिलाशयं गच्छति।  
जलेन शरीरं प्रक्षालयति। पाषाणखण्डेन शरीरं  
वारं वारं मार्जयति। पुनः पुनः स्नानं करोति।  
तथापि काकः कृष्णः एव अस्ति। परन्तु देहे  
तीव्रा वेदना भवति। काकः कृष्णः एव अस्ति,  
श्वेतः न भवति। अन्धानुकरणं विनाशकारणम् इति काकः अवगच्छति।

अभ्यासः

I. एकवाक्येन उत्तरं लिखत।

१. वृक्षः कुत्र अस्ति?

उ.....

२. काकः किं पश्यति?

उ.....

३. काकः जलेन किं प्रक्षालयति ?

उ.....

..

४. काकः केन शरीरं मार्जयति ?

उ.....

..

५. काकः कुत्र गच्छति ?

उ.....

..

II. पर्यायपदं लिखत।

शरीरम् =  जलम् =

काकः =  वृक्षः =

श्वेतः =  पुनःपुनः =

III. रिक्तं स्थानं पूरयत।

१. हंसस्य वर्णः .....।

२. काकस्य वर्णः .....।

३. हंसः..... विहरति।

४. अन्धानुकरणं .....।

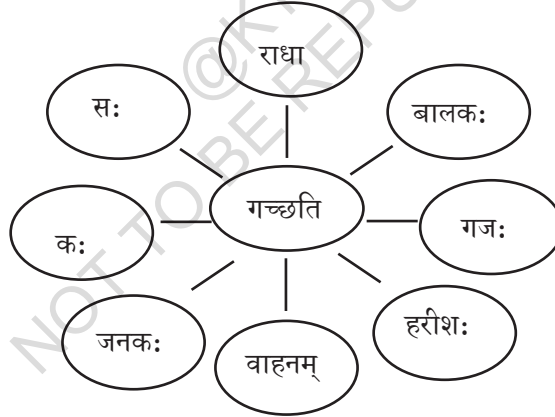
IV. इतरवचनरूपाणि लिखत।

१.  गच्छति

|    |                      |                      |                      |
|----|----------------------|----------------------|----------------------|
| २. | <input type="text"/> | <input type="text"/> | भवथ                  |
| ३. | <input type="text"/> | चिन्तयतः             | <input type="text"/> |
| ४. | पश्यसि               | <input type="text"/> | <input type="text"/> |
| ५. | <input type="text"/> | कुरुतः               | <input type="text"/> |
| ६. | अस्ति                | <input type="text"/> | <input type="text"/> |

V. कोष्ठके विद्यमानान् शब्दान् उपयुज्य, उदाहरणं दृष्ट्वा वर्तमानकाले वाक्यानि रचयत।

उदाहरणम् - बालकः गच्छति.



१.....

२.....

३.....

४.....

५.....

६.....

७.....

८.....

## VI. लट्लकाररूपाणि लिखत।

| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|--------|---------|-----------|----------|
| प्रथमः | विहरति  |           |          |
| मध्यमः |         |           |          |
| उत्तमः |         |           |          |

| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|--------|---------|-----------|----------|
| प्रथमः |         |           |          |
| मध्यमः |         | पिबथः     |          |
| उत्तमः |         |           |          |

| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|--------|---------|-----------|----------|
| प्रथमः |         |           |          |
| मध्यमः |         |           |          |
| उत्तमः |         |           | भवामः    |

भाषाभ्यासः -

\* पञ्चतन्त्रस्य कथां पठत।

\* हितोपदेशस्य कथां पठत ।

ॐॐॐॐॐॐ

## त्यागमूर्तिः रन्तिदेवः

प्राचीनकाले भारते रन्तिदेवः इति महाराजः आसीत् । दानकार्येण सः दरिद्रः भवति। बहूनि दिनानि यावत् भोजनम् अपि न प्राप्नोति।

एकस्मिन् दिने रन्तिदेवः किञ्चित् अन्नं, जलं च प्राप्नोति। महाराजः सन्तोषेण भोजनं खादितुम् उपविशति तदा एकः अतिथिः तत्र आगच्छति। सः रन्तिदेवस्य समीपे भिक्षां याचति। दयालुः रन्तिदेवः अन्नस्य एकं भागं तस्मै ददाति। अतिथिः सन्तोषेण गच्छति।



महाराजः पुनः भोजनार्थम् उपविशति। तदा अन्यः दरिद्रः तत्र आगच्छति। सः अपि भिक्षां याचति। करुणालुः महाराजः पुनः अन्नस्य एकं भागं तस्मै यच्छति। दरिद्रः आनन्देन गच्छति।

रन्तिदेवः पुनः भोजनार्थम् उपविशति। तदा अपरः भिक्षुकः शुनकैः सह आगच्छति। सः अपि शुनकार्थं भिक्षां प्रार्थयति। कृपालुः रन्तिदेवः अवशिष्टम् अल्पम् अन्नं तस्मै ददाति। अतिथिः हर्षेण गच्छति।

इदानीं महाराजस्य समीपे केवलं जलम् अस्ति। सः 'जलं पिबामि' इति चिन्तयति। तदा अन्यः याचकः आगच्छति। सः जलं ददातु इति प्रार्थयति। करुणासागरः महाराजः तस्मै जलं यच्छति। याचकः प्रमोदेन ततः गच्छति।

एवं महाराजः अन्येभ्यः सम्पूर्णं दानं कृत्वा 'त्यागमूर्तिः' इति प्रसिद्धः भवति।

I. एकवाक्येन उत्तरं लिखत।

१. रन्तिदेवः कुत्र महाराजः आसीत् ?

उ.....

..

२. कः सन्तोषेण गच्छति।

उ.....

..

३. कः जलं प्रार्थयति ?

उ.....

..

४. रन्तिदेवः किं किं प्राप्नोति ? ?

उ.....

..

५. त्यागमूर्तिः इति कः प्रसिद्धः ?

उ.....

..

II. समीचीनं क्रियापदं चित्वा लिखत।

|       |       |            |        |         |
|-------|-------|------------|--------|---------|
| याचति | करोति | प्राप्नोति | गच्छति | आगच्छति |
|-------|-------|------------|--------|---------|

१. महाराजः भोजनं न .....।

२. अतिथिः हर्षेण.....।

३. दरिद्रः भिक्षां .....।

४. भिक्षुकः शुनकैः सह .....।

५. रन्तिदेवः दानं .....।

### III. समीचीनस्थले क्रियापदानि स्थापयत।

| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|--------|---------|-----------|----------|
| प्रथमः |         |           |          |
| मध्यमः |         |           |          |
| उत्तमः | ताडयामि |           |          |

क्रिडामः, पतति  
लिखथ, नृत्यसि  
पिबन्ति, पश्यावः  
धावतः, वदथः

### IV. समीचीनं क्रियापदरूपाणि लिखत।

१. छात्रः पठति। अहं .....।
२. अश्वः धावति। त्वं.....।
३. वयं नयामः । बालकाः.....।
४. पुस्तकं पतति । फलानि.....।
५. अहं खादामि। गजः.....।

### V. उत्तरं चित्वा कथां पूरयत।

बालकौ वनं ..... (गच्छति, गच्छतः, गच्छन्ति)। पुरतः  
भल्लूकः ..... (आगच्छामि, आगच्छसि, आगच्छति)। एकः  
बालकः वृक्षम् ..... (आरोहन्ति, आरोहति, आरोहथ)। अन्यः  
मृतः इव शयनं ..... (करोति, करोमि, कुर्वन्ति)। भल्लूकः  
तं त्यक्त्वा गच्छति। प्रथमः बालकः वृक्षतः ..... (अवरोहावः,  
अवरोहामि, अवरोहति)। अन्यं पृच्छति - 'भल्लूकः किम् उक्तवान्'? इति।  
अन्यः..... (वदति, वदतः, वदामि) - कष्टकाले यः साहाय्यं न  
.....(कुर्वन्ति, करोति, करोमि) सः मित्रं न इति।

## VI. क्रियापदानि अन्विष्य लिखत।

अत्र षोडश (१६) क्रियापदानि सन्ति।

|    |      |    |    |     |      |
|----|------|----|----|-----|------|
| लि | ख    | सि | व  | स   | थ    |
| खा | प    | खा | द  | तः  | त    |
| मि | श्या | प  | ति | श्य | प    |
| दा | वः   | ठ  | व  | सि  | त    |
| द  | बा   | ति | भ  | व   | न्ति |
| त  | पि   | बा | मि | धा  | क्री |

- उदा → १. लिखसि २. ....
३. .... ४. ....
५. .... ६. ....
७. .... ८. ....
९. .... १०. ....
११. .... १२. ....
१३. .... १४. ....
१५. .... १६. ....

## क्रियाकलापः

### VII. स्वयं पञ्चवाक्यानि रचयत।

उदा बालकः किं करोति?

बालकः क्षीरं पिबति।

बालकः शालां गच्छति इत्यादीनि

१. माता किं करोति?

उ. ....  
.....  
.....  
.....  
.....

२) अध्यापकः किं करोति?

उ. ....  
.....  
.....  
.....  
.....

३) भवान्/ भवती किं करोति ?

उ. ....  
.....  
.....  
.....  
.....

ॐॐॐॐॐॐॐ

सप्तदशः पाठः

## सुभाषितानि

(कण्ठपाठः करणीयः)

1. उदये सविता रक्तः रक्तश्चास्तमये तथा।  
सम्पत्तौ च विपत्तौ च महतामेकरूपता॥
2. यथा चित्तं तथा वाचः यथा वाचस्तथा क्रियाः।  
चित्ते वाचि क्रियायां च साधूनामेकरूपता॥
3. वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि।  
लोकोत्तराणां चेतांसि को हि विज्ञातुमर्हति॥
4. अधमा धनमिच्छन्ति धनमानौ तु मध्यमाः।  
उत्तमाः मानमिच्छन्ति मानो हि महतां धनम्॥
5. शैले शैले न माणिक्यं मौक्तिकं न गजे गजे।  
साधवो न हि सर्वत्र चन्दनं न वने वने॥
6. सत्यमेकपदं ब्रह्म सत्ये धर्मः प्रतिष्ठितः।  
सत्यमेवाक्षया वेदाः सत्येनैवाप्यते परम्॥

ॐॐॐॐॐॐ

### सुभाषितानाम् अर्थाः

- 1) सूर्यः उदयकाले अस्तमयकाले च रक्तवर्णः एव भवति। एवमेव सम्पत्काले आपत्काले च महापुरुषाः समानाः तिष्ठन्ति।
- 2) येन प्रकारेण चित्तं (मनः) भवति तदनुसारेण सम्भाषणानि वर्तन्ते। यथा सम्भाषणानि भवन्ति तदनुसारं कार्याणि भवन्ति। मानसे सम्भाषणे च महात्मानः समानरूपिणः भवन्ति।
- 3) लोके उत्तमानां मनः वज्रात् अपि कठोरं भवति। क्वचित् कुसुमात् अपि मृदु भवति। अतः महात्मनां चित्तं ज्ञातुं को हि समर्थः भवति?
- 4) नीचाः धनम् इच्छन्ति। मध्यमाः तु धनं गौरवं च इच्छन्ति। उत्तमाः गौरवम् एव इच्छन्ति। मानः एव महात्मनां धनं भवति।
- 5) सर्वेषु शैलेषु माणिक्यं न भवति। सर्वेषु गजेषु मौक्तिकं न भवति। सर्वेषु वनेषु चन्दनवृक्षः न भवति। एवं सज्जनाः सर्वत्र न भवन्ति।
- 6) सत्यमिति एकपदमेव ब्रह्मा। सत्ये एव धर्मः निहितो भवति। सत्यमेव नाशरहिताः वेदाः। सत्यमार्गेणैव मोक्षः प्राप्यते।

अभ्यासः

I. एकवाक्येन उत्तरं लिखत।

1) सविता कदा रक्तवर्णः भवति ?

उ. ....

2) लोकोत्तराणां चेतांसि कस्मादपि कठोराणि भवन्ति ?

उ. ....

3) महतां धनं किम् ?

उ. ....

4) केषां दर्शनं पुण्यं भवति ?

उ. ....

5) कस्य समागमः सद्यः फलति ?

उ. ....

II. संयोज्य लिखत।

| अ           | आ            | उत्तराणि |
|-------------|--------------|----------|
| 1) शशी      | 1) दैन्यम्   | .....    |
| 2) कल्पतरुः | 2) मौक्तिकम् | .....    |
| 3) गजः      | 3) तापम्     | .....    |

### III. विरुद्धार्थकं पदं लिखत।

- 1) साधु: ×
- 2) मृदु ×
- 3) उत्तमा: ×

### IV. चतुर्थपदं लिखत।

- 1) वज्रम्: कठोरम् :: कुसुमम् : .....।
- 2) शैले : माणिक्यम् :: वने : .....।
- 3) उत्तमा: मानम् :: अधमा: : .....।

### V. पर्यायपदं लिखत।

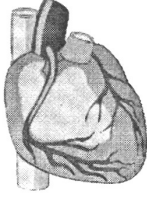
- 1) सविता =
- 2) चित्तम् =
- 3) शशी =
- 4) शैल: =
- 5) गज: =

ॐॐॐॐॐॐ

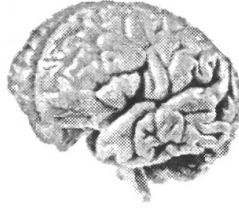
अष्टादशः पाठः

संख्याः

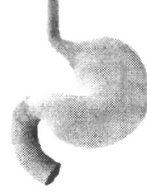
एकम् 1



एकं हृदयम्



एकं मस्तिष्कम्

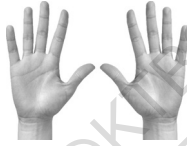


एकम् उदरम्

द्वे 2



द्वे नेत्रे



द्वौ हस्तौ



द्वौ कर्णौ



द्वौ पादौ

त्रीणि 3



नारिकेलस्य नेत्राणि त्रीणि



बिल्वपत्राणि त्रीणि



शिवस्य नेत्राणि त्रीणि

चत्वारि 4



चतुर्वेदाः



चतुर्मुखब्रह्मा

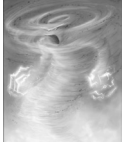


सत्यमेव जयते

चतुर्मुखसिंहः

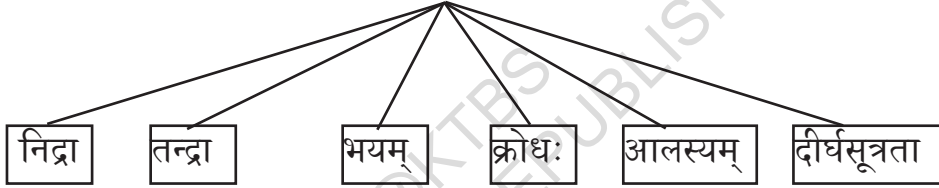
पञ्च 5

### पञ्चमहाभूतानि

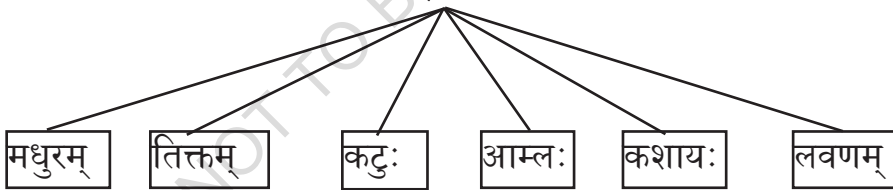
|                                                                                   |                                                                                   |                                                                                   |                                                                                   |                                                                                    |
|-----------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------|
|  |  |  |  |  |
| जलम्                                                                              | वायुः                                                                             | भूमिः                                                                             | अग्निः                                                                            | आकाशः                                                                              |

षट् 6

### षड्दोषाः हातव्याः



### षड्-रसाः

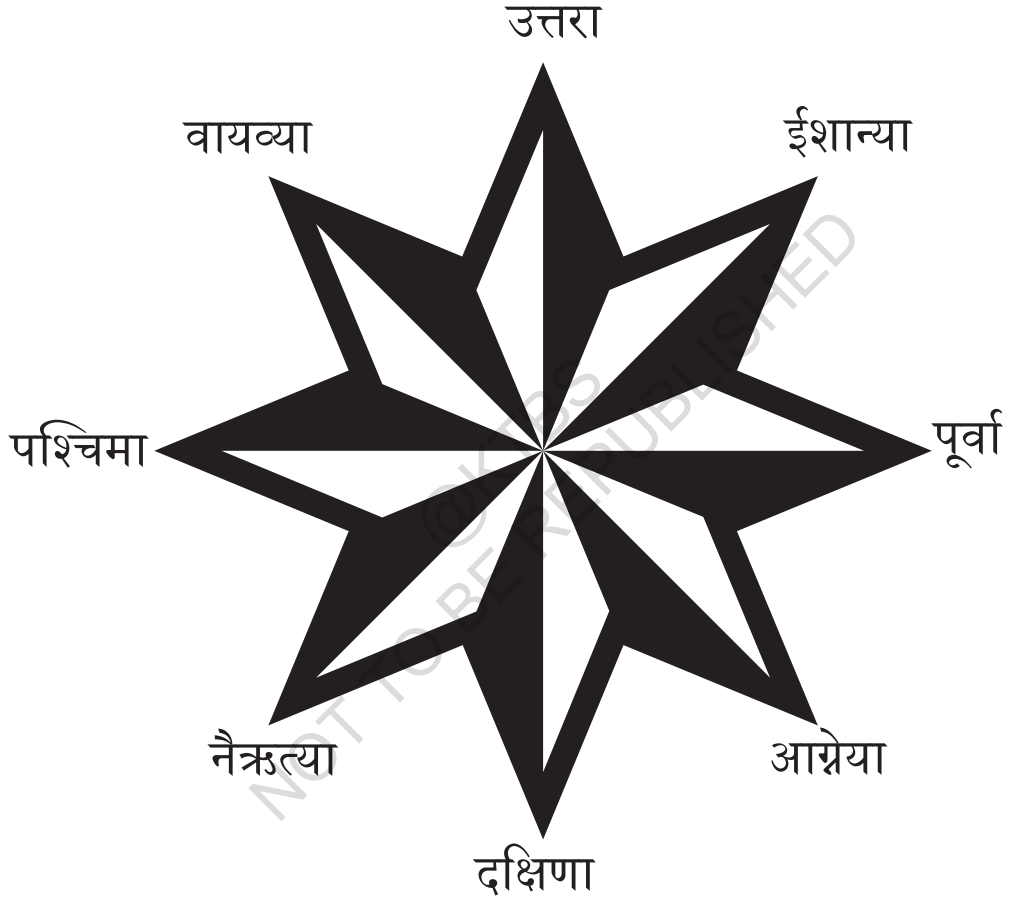


सप्त 7 सप्त-ऋषयः

|                                                                                     |                                                                                     |                                                                                     |                                                                                     |                                                                                     |                                                                                      |                                                                                       |
|-------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------|
|  |  |  |  |  |  |  |
| वसिष्ठः                                                                             | भरद्वाजः                                                                            | विश्वामित्रः                                                                        | गौतमः                                                                               | अत्रिः                                                                              | अगस्त्यः                                                                             | जमदग्निः                                                                              |

अष्ट ८

अष्टदिशः



## नव 9 नव धान्यानि

|                                                                                   |                                                                                   |                                                                                    |
|-----------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------|
|  |  |  |
| त्रीहिः                                                                           | माषः                                                                              | गोधूमः                                                                             |
|  |  |  |
| तिलम्                                                                             | चणकम्                                                                             | मुद्गः                                                                             |
|  |  |  |
| आढकम्                                                                             | निष्पावः                                                                          | कुळित्थः                                                                           |

## दश 10 दश-अवताराः



### अवधेयांशाः

मत्स्यकूर्मो वराहश्च नृसिंहो वामनस्तथा।  
रामोरामश्च कृष्णश्च बुद्धकल्की तथा दश॥

### सङ्ख्याः

उच्चैः पठत - अवगच्छत - रिक्तस्थानेषु लिखत च।

|    |    |         |       |
|----|----|---------|-------|
| 1  | १  | एकम्    | ..... |
| 2  | २  | द्वे    | ..... |
| 3  | ३  | त्रीणि  | ..... |
| 4  | ४  | चत्वारि | ..... |
| 5  | ५  | पञ्च    | ..... |
| 6  | ६  | षट्     | ..... |
| 7  | ७  | सप्त    | ..... |
| 8  | ८  | अष्ट    | ..... |
| 9  | ९  | नव      | ..... |
| 10 | १० | दश      | ..... |
| 11 | ११ | एकादश   | ..... |
| 12 | १२ | द्वादश  | ..... |
| 13 | १३ | त्रयोदश | ..... |
| 14 | १४ | चतुर्दश | ..... |

|      |    |         |       |
|------|----|---------|-------|
| (15) | १५ | पञ्चदश  | ..... |
| (16) | १६ | षोडश    | ..... |
| (17) | १७ | सप्तदश  | ..... |
| (18) | १८ | अष्टादश | ..... |
| (19) | १९ | नवदश    | ..... |
| (20) | २० | विंशतिः | ..... |

### अभ्यासः

#### I. उदाहरणानुसारं लिखत।

उदा → दश = 10

षोडश = .....

पञ्चदश = .....

चतुर्दश = .....

विंशतिः = .....

एकम् = .....

द्वादश = .....

..... = 19

..... = 18

..... = 17

..... = 12

#### II. आवरणस्थां सङ्ख्यां दृष्ट्वा रिक्तं स्थानं पूरयत।

१. .... ब्रह्मा (१)।      ६. .... वासराः (७)
२. .... नेत्रे (२)।      ७. .... अवताराः (१०)।
३. .... वचनानि (३)।      ८. .... रुद्राः (११)।
४. .... पाण्डवाः (५)।      ९. .... मासाः (१२)।
५. .... ऋतवः (६)      १०. .... संस्काराः (१६)।

## समयः



एकवादनम् - १.००



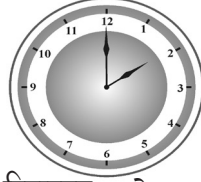
पञ्चवादनम् - ५.००



सार्धसप्तवादनम् - ७.३०



दशाधिकनववादनम् - ९.१०



द्विवादनम् - २.००



सपादषड्वादनम् - ६.१५



पादोन अष्टवादनम् - ७.४५



दशोन द्वादशवादनम् - ११.५०

## अभ्यासः

कः समयः ?

उदा → 3.30 सार्ध त्रिवादनम्

२.३० = .....

१.३० = .....

४.१० = .....

३.५० = .....

८.४५ = .....

५.३० = .....

१०.०० = .....

१२.३० =

.....

भाषाभ्यासः 1) समयस्य महत्त्वं जानीत। 2) दिनचर्यां लिखत।

एकोनविंशः पाठः  
महावीराचार्यः

सर्वेषु विषयेषु गणितं प्रमुखम्। प्रातःकालतः रात्रिपर्यन्तं कदा इति समयगणना, कियत् इति मौल्यगणना, कति इति संख्यागणना, सदा भवति एव । गणितं विना जीवनं नास्ति । जगति गणितक्षेत्रे भारतीयगणितज्ञानां योगदानं प्रमुखम् अस्ति । तेषु गणितज्ञेषु कर्णाटकस्य महावीराचार्यः अन्यतमः।

महावीराचार्यः गुल्बर्गाप्रान्तस्य राष्ट्रकूटवंशस्य अमोघवर्षनृपतुंगस्य आस्थाने नवमशताब्धौ (815-878) आसीत् । जैनमतस्थः एषः आचार्यः गणितसारसंग्रहः इति प्रसिद्धस्य ग्रन्थस्य रचयिता अस्ति। ग्रन्थे नव अध्यायेषु 1100 श्लोकाः सन्ति । विविधाः आकर्षकाः गणितसमस्याः श्लोकरूपेण सन्ति । गणितज्ञस्य मेधाशक्तिः, कवेः कल्पनाशक्तिः, कलाकारस्य सृजनशक्तिः एवं त्रयाणां संगमः महावीराचार्यः इति पण्डिताः वदन्ति । पद्यरूपेण कल्पनाशक्तिद्वारा गणितविषयस्य बोधनं तस्य विशेषता आसीत् । राजमहेन्द्रिप्रान्तस्य पावलूरि मल्लणः इति गणितज्ञः गणितसारसंग्रहः इति ग्रन्थस्य अनुवादं तेलुगुभाषायाम् अकरोत् । अग्रे चेन्नै प्रान्तस्य संस्कृतस्य प्राध्यापकः राव् बहदूर् एम्. रंगाचार्यः संस्कृतप्राध्यापकः क्रि.श. 1912 तमे वर्षे आंग्लभाषायाम् अनुवादम् अकरोत् । अधुना कन्नडे, हिन्दी भाषायामपि एषः ग्रन्थः अनूदितः अस्ति ।

मालारूपगणितम्

|           |   |     |   |            |
|-----------|---|-----|---|------------|
| १३९       | × | १०९ | = | १५१५१      |
| ११०११०११  | × | ९१  | = | १००२००२००१ |
| १५२२०७    | × | ७३  | = | ११११११११   |
| १४२८७१४३  | × | ७   | = | १०००१०००१  |
| १४२८५७१४३ | × | ७   | = | १००००००००१ |

$$३३३३३३६६६६६७ \times ३३ = ११००००११००००११$$

$$१२३४५६७१ \times ९ = १११११११११$$

$$२७९९४६८१ \times ४४१ = १२३४५६५४३२१$$

दक्षिणतः वामभागं अथवा वामतः दक्षिणभागं पठामः चेत्  
एकरूपसंख्या एव भवति । सा संख्या मालारूपसंख्या । एवं बहूनि उदाहरणानि  
गणितसारसङ्ग्रहे सन्ति ।

संख्याज्ञानप्रदीपेन जैनेन्द्रेण महर्षिणा ।

प्रकाशितं जगत्सर्वं येन तं प्रणमाम्यहम् ॥

यः जैनमुनिः महावीराचार्यः गणितज्ञानेन जगत् प्रकाशितवान् तस्मै  
अहं प्रणमामि ।

### अभ्यासः

#### I. एकवाक्येन उत्तरं लिखत।

१) सर्वेषु विषयेषु किं प्रमुखम् ?

उ. ....

२) महावीराचार्यः कः ?

उ. ....

३) महावीराचार्यः कस्य आस्थाने आसीत् ?

उ. ....

४) महावीराचार्यस्य प्रसिद्धस्य ग्रन्थस्य नाम किम् ?

उ. ....

५) गणितसारसंग्रहग्रन्थे गणितसमस्याः केन रूपेण सन्ति ?

उ. ....

६) गणितसारसंग्रह इति ग्रन्थं तेलुगुभाषायां कः अनुवादम् अकरोत् ?

उ. ....

५) गणितसारसंग्रह इति ग्रन्थं आंग्लभाषायां कः अनुवादम् अकरोत् ?

उ. ....

## II. सप्तमीविभक्त्यन्तपदं रिक्तस्थाने पूरयत।

१. गजः ..... वसति । (वनम्)

२. शशः ..... वसति । (बिलम्)

३. छात्रः ..... पठति । (वर्गः)

४. माता ..... पचति । (गृहम्)

५. पिता ..... कार्यं करोति । (कार्यालयः)

६. शिक्षकः ..... पाठयति । (विद्यालयः)

७. बालः ..... क्रीडति । (क्रीडांगणम्)

८. गीता ..... भाषणं करोति । (शाला)

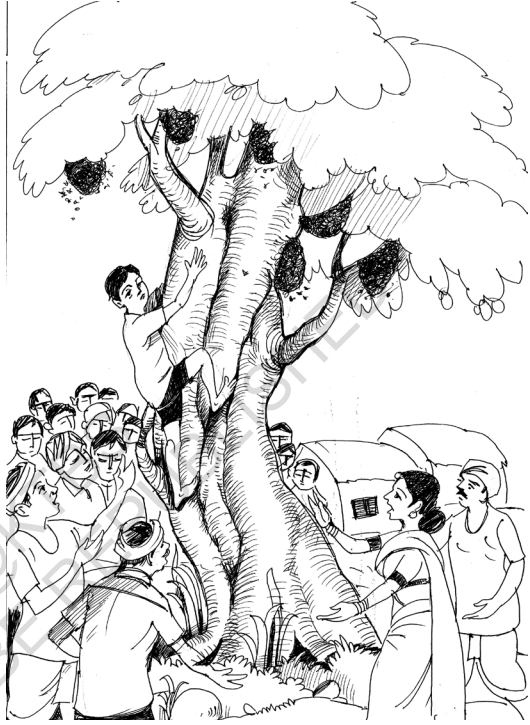
ॐॐॐॐॐॐ

विंशः पाठः

## वीरगोपालः

पुरा भारते आंग्लसर्वकारः आसीत् । आंग्लदास्यत्वं विरुध्य भारतीयाः स्वातन्त्र्यस्य आन्दोलनम् आरब्धवन्तः । तदा आंग्लसेना भारतीयानाम् उपरि उग्ररूपेण हिंसां करोति । सार्दारभगतसिंहस्य नाम आंग्लानां कृते सिंहस्वप्नम् आसीत् । तं ग्रहीतुं सेना सर्वत्र अटति ।

एकदा एकस्मिन् ग्रामे भगतसिंहः भाषणं गुप्तरूपेण करोति । ग्रामप्रमुखः भगतसिंहं रक्षितुम् एवं घोषयति - ग्रामे पुरातनः, जीर्णः बृहत् निम्बवृक्षः अस्ति । तस्य उपरि कोऽपि आरोहणं करोति । तथा सेना कुतः आगच्छति इति



वदति । तदा भगतसिंहः अन्येन मार्गेण पलायितुं शक्नोति इति । परन्तु वृक्षस्य उपरि आरोहणं बहु कष्टकरम् । कोऽपि धैर्यं न प्रदर्शयति ।

तदा गोपालः नाम द्वादशवर्षीयः वीरः बालकः अग्रे आगच्छति, वदति च - अहं भारतमातुः पुत्रः अस्मि ।

अहम् वृक्षस्य उपरि आरोहणं करोमि, तथा सूचयामि इति । सः बालकः प्रमुखस्य आज्ञां विना वृक्षस्य उपरि आरोहणं करोति । जनाः, मुख्यस्थः सर्वे मास्तु मास्तु इति वदन्ति । तथापि सः वृक्षम् आरोहति । वृक्षे मधुमक्षिकाणां नीडानि सन्ति । मधुमक्षिकाः तं दशन्ति । तथापि संः उपरि आरोहति । आंग्लसेना एतं बालकं दूरतः पश्यति । एकः सैनिकः भुषुण्डं चालयति । एका गोलिका बालकं ताडयति च । जनाः आगच्छतु इति आक्रोशं कुर्वन्ति । इतोऽपि सः वीरः उपरि गच्छति । उत्तरतः एका सेना, पश्चिमतः एका सेना आगच्छति । दक्षिणतः कापि सेना नास्ति इति उक्त्वा अधः पतति । वीरमरणं प्राप्नोति ।

तस्य जीवः गच्छति । भगत्सिंहः दक्षिणतः पलायनं करोति । आंग्लसेनातः रक्षणं प्राप्नोति । गोपालस्य बलिदानं सिंहसदृशस्य भगत्सिंहस्य रक्षणे श्रीरक्षा भवति ।

### अभ्यासः

#### I. एकवाक्येन उत्तरं लिखत ।

१) गोपालं काः दशन्ति ?

उ. ....

२) ग्रामस्थाः कं रक्षितुम् आलोचयन्ति ?

उ. ....

३) निम्बवृक्षः कथम् अस्ति ?

उ. ....

४) कः वृक्षस्य उपरि आरोहणं करोति ?

उ. ....

५) सैनिकः किं चालयति ?

उ. ....

६) कुतः कापि सेना नास्ति इति गोपालः वदति ?

उ. ....

७) गोपालस्य बलिदानं कस्य रक्षणे श्रीरक्षा भवति ?

उ. ....

८) कस्य नाम सिंहस्वप्नम् आसीत् ?

उ. ....

## II. रिक्तं स्थानं पूरयत ।

| एकवचनम्  | द्विवचनम्  | बहुवचनम् |
|----------|------------|----------|
|          |            | धीराः    |
| श्रेष्ठः |            |          |
|          |            | जीर्णाः  |
| सेना     |            |          |
|          | मधुमक्षिके |          |

### III. विरुद्धार्थकं पदं लिखत।

|         |   |  |
|---------|---|--|
| अहिंसा  | X |  |
| बृहत्   | X |  |
| वीरः    | X |  |
| पुरातनः | X |  |
| आरोहणम् | X |  |

### IV. इतरवचनद्वयं लिखत।

|           |        |          |
|-----------|--------|----------|
| गच्छति    |        |          |
|           |        | अटथ      |
| चिन्तयामि |        |          |
|           | वदावः  |          |
|           | दशतः   |          |
| चालयति    |        |          |
|           |        | ताडयन्ति |
|           | आरोहथः |          |
| सूचयामि   |        |          |

V. अधोलिखितानि वाक्यानि घटनाक्रमेण पुनः लिखत।

- १) ग्रामं प्रति आक्रमणं करोति ।
- २) गोपालः वृक्षस्य आरोहणं करोति ।
- ३) तस्य जीवः गच्छति ।
- ४) आंग्लदास्यत्वं भारतीयाः न इच्छन्ति।
- ५) एकस्मिन् ग्रामे भगत्सिंहः भाषणं गुप्तरूपेण करोति।
- ६) पुरा भारते आंग्लसर्वकारः आसीत् ।
- ७) भगत्सिंहस्य रक्षणं भवति।
- ८) सेना कुतः आगच्छति इति वदति।

- उ. ....
- उ. ....
- उ. ....
- उ. ....
- उ. ....
- उ. ....
- उ. ....
- उ. ....

## VI. लट् लकाररूपाणि लिखत ।

|        |         |           |          |
|--------|---------|-----------|----------|
| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथमः |         |           |          |
| मध्यमः |         |           |          |
| उत्तमः | ताडयामि |           |          |

|        |         |           |          |
|--------|---------|-----------|----------|
| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथमः |         |           |          |
| मध्यमः |         | सूचयथः    |          |
| उत्तमः |         |           |          |

भाषाभ्यासः -

- \* भागत्सिंहः - चन्द्रशेखर आजाद् इत्यादि वीरनायकानां कथाः जानीत।

विशेषांशः

सुभाषितग्रन्थाः

- \* सुभाषितरत्नभाण्डागारः
- \* सुभाषितत्रिशती
- \* सदुक्तिकर्णामृतम्
- \* सूक्तिमुक्तावलिः

एकविंशः पाठः

## रामभक्तः मारुतिः

मारुतिं कः न जानाति ? तस्य  
कथा रामायणे महाभारते च  
अस्ति । आज्ञनेयः, हनूमान्,  
वायुपुत्रः, केसरीनन्दनः इति तस्य  
नामान्तराणि सन्ति । अञ्जनादेवी  
तस्य माता, पिता च केसरी ।  
अञ्जनागिरौ तस्य जन्म अभवत्  
। बाल्यात् एव मारुतिः एकः  
धीरः बालकः आसीत् । एकदा  
सः सूर्यदेवं आम्रफलम् इति मत्वा  
तं खादितुं प्रयत्नम् अकरोत् ।  
सः किष्किन्धायाः महाराजस्य  
सुग्रीवस्य अमात्यः आसीत् । सः  
करुणालुः महान् स्वामिभक्तः च ।



पुरा अयोध्यायां दशरथः नाम  
राजा आसीत् । तस्य पुत्रः श्रीरामः ।

एकदा राघवः वनवासं कर्तुं सीतालक्ष्मणाभ्यां सह दण्डकारण्यं प्रति गच्छति ।  
तत्र लङ्काधिपतिः रावणः नाम राक्षसः तस्य पत्नीं जानकीम् अपहरति ।  
दुःखितः रामः सर्वत्र वैदेहीम् अन्विषति । अन्ते सः किष्किन्धां प्रति आगच्छति ।  
वायुपुत्रः श्रीरामं लक्ष्मणं च सुग्रीवस्य समीपम् आनयति । तत्र सुग्रीवः श्रीराम  
स्य सर्ववृत्तान्तं श्रुणोति । सर्वे सीतायाः अन्वेषणं कर्तुं गच्छन्ति । सर्वत्र सीताम्  
अन्विषन्ति, तथा च सर्वे समुद्रतीरं प्राप्नुवन्ति ।

सागरोल्लङ्घनं कृत्वा सीतान्वेषणं कर्तुं  
वायुपुत्रः एव समर्थः अस्ति । अतः  
हनूमान् समुद्रं लङ्घयति । रावणस्य  
लङ्कां प्राप्नोति । लङ्कायाः रक्षणार्थं  
लङ्किणी नाम एका राक्षसी अस्ति ।  
सा आज्ञनेयं पश्यति तथा पीडयति,  
तं खादितुम् अपि आगच्छति ।  
तदा हनूमान् युद्धे तां जयति, लङ्कां  
प्रविशति ।



अशोकवने भयङ्करराक्षसीभिः परिवृतां  
सीतादेवीं पश्यति । रामस्य अङ्गुलीयकं  
यच्छति अहं रामदूतः मारुतिः  
सीतान्वेषणाय आगतः अस्मि इति स्वपरिचयं करोति । शीघ्रमेव श्रीरामः रावणं  
मारयति । त्वाम् अयोध्यां नयति इति तां सान्त्वयति । तदनन्तरं दशाननस्य  
मनसि भीतिं जनयितुं लङ्कादहनं करोति । ततः किष्किन्धां प्रति आगच्छति  
सीतायाः सन्देशं कथयति च ।



श्रीरामः कपिसेनासहितः  
लङ्काम् आगत्य दशकण्ठस्य  
हननं करोति । सीतासमेतः सः  
अयोध्यां प्रति आगच्छति । एवं  
कपिवरः मारुतिः सीतारामयोः  
पुनः मेलने साहाय्यं करोति  
स्वस्वामिभक्तिं प्रकटयति च ।  
अतः सः रामभक्तः मारुतिः  
इति प्रसिद्धः ।

## अभ्यासः

### I. एकवाक्येन उत्तरं लिखत।

१) मारुतिः किमिति प्रसिद्धः ?

उ. ....

२) सीतान्वेषणं कर्तुं कः समर्थः ?

उ. ....

३) किष्किन्धायाः महाराजः कः ?

उ. ....

४) वैदेहीं कः अपहरति ?

उ. ....

५) मारुतिः किमर्थं सागरोलङ्घनं करोति ?

उ. ....

### II. रिक्तं स्थानं पूरयत ।

१) बाल्यात् एव मारुतिः एकः ..... आसीत् ।

२) आज्ञनेयस्य पिता ..... ।

३) पुरा अयोध्यायां ..... नाम राजा आसीत् ।

४) रावणः ..... अपहरति ।

५) दुःखितः श्रीरामः सर्वत्र वैदेहीम् ..... ।

### III. संयोज्य लिखत।

| अ               | आ               | उत्तराणि |
|-----------------|-----------------|----------|
| १) मारुतेः माता | लङ्किणीं जयति । | .....    |
| २) राघवः        | अञ्जनादेवी ।    | .....    |
| ३) हनूमान्      | दशरथः           | .....    |
| ४) सीतादेवी     | लङ्काधिपतिः     | .....    |
| ५) रावणः        | अशोकवनम्        | .....    |

### IV. पर्यायपदं लिखत।

|            |                      |           |                      |
|------------|----------------------|-----------|----------------------|
| आञ्जनेयः = | <input type="text"/> | अरण्यम् = | <input type="text"/> |
| समीपम् =   | <input type="text"/> | जानकी =   | <input type="text"/> |
| रामः =     | <input type="text"/> | सागरः =   | <input type="text"/> |

### V. विरुद्धार्थकं पदं लिखत।

|        |   |                      |      |   |                      |
|--------|---|----------------------|------|---|----------------------|
| अस्ति  | X | <input type="text"/> | आदिः | X | <input type="text"/> |
| समीपम् | X | <input type="text"/> | धीरः | X | <input type="text"/> |
| सुखम्  | X | <input type="text"/> |      |   |                      |

### VI. अन्यलिङ्गपदं लिखत ।

|       |   |                      |        |   |                      |
|-------|---|----------------------|--------|---|----------------------|
| बालकः | - | <input type="text"/> | पिता   | - | <input type="text"/> |
| एकः   | - | <input type="text"/> | देवः   | - | <input type="text"/> |
| सा    | - | <input type="text"/> | अग्रजा | - | <input type="text"/> |

## VII. इतरवचनद्वयं लिखत।

|        |       |           |
|--------|-------|-----------|
| गच्छति |       |           |
|        | आनयथः |           |
| अपहरति |       |           |
|        |       | पश्यामः   |
|        |       | कुर्वन्ति |
|        | कथयतः |           |

भाषाभ्यासः -

- \* रामायणस्य कथां शृणुत ।
- \* श्रीरामस्य आदर्शगुणान् अवगच्छत ।

अवगच्छत ।

एकश्लोकीरामायणम्

पूर्वं राम तपोवनाभिगमनं हत्वा मृगं काञ्चनम् ।

वैदेहीहरणं जटायुमरणं सुग्रीवसम्भाषणम् ॥

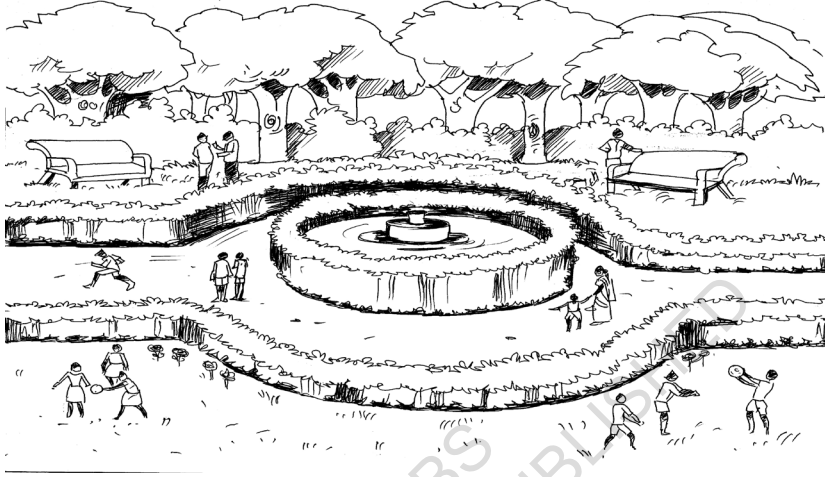
वालीनिग्रहणं समुद्रतरणं लङ्कापुरीदाहनम् ।

पश्चाद्रावणकुम्भकर्णहननं एतद्धि रामायणम् ॥

ॐॐॐॐॐॐ

द्वाविंशः पाठः

## उद्यानम्



एतत् उद्यानम् । इदं सुन्दरं विशालं च अस्ति । उद्याने नानाविधाः वृक्षाः, लताः, सस्यानि च सन्ति । वृक्षेषु फलानि, लतासु सस्येषु च कुसुमानि विलसन्ति । उद्याने शुद्धः वायुः वहति ।

अयम् उद्यानस्य पूर्वभागः । अत्र विविधानि सस्यानि सन्ति । सस्येषु पाटलं, जपाकुसुमं, चम्पकं, सेवन्तिकादीनि पुष्पाणि विलसन्ति । श्वेतनीलरक्तहरितपीतवर्णैः कुसुमानि चित्तमाकर्षन्ति । कुसुमेषु भ्रमराः मकरन्दं चूषन्ति ।

एषः उपवनस्य दक्षिणभागः । अत्र विविधाः वृक्षाः हरितवर्णेन सुशोभन्ते । तेषु आम्रनारिकेलपूगपनसकदलीवटादयः पादपाः जनेभ्यः छायां यच्छन्ति । जनाः पादपानां छायासु विश्रान्तिम् अनुभवन्ति । वृक्षेषु काकाः, कपोताः, शुकाः, कोकिलाः, चटकाः च कलरवं कुर्वन्ति ।

इदानीं वाटिकायाः पश्चिमभागं पश्यामः । अत्र जलाशयः अस्ति । जलचराः जलाशये वसन्ति । मण्डूकाः, मीनाः, बकाः, हंसाः, कूर्माः च

सलिले इतस्तनः सञ्चरन्ति । कासारे कमलानि विकसन्ति । तेषु भ्रमराः गुञ्जन्ति ।

अयं वाटिकायाः उत्तरभागः अयं क्रीडावलयः अत्र शिशवः, बालकाः, बालिकाः च आनन्देन क्रीडन्ति । वृद्धाः, तरुणाः च अत्र व्यायामं कुर्वन्ति, देहारोग्यं प्राप्नुवन्ति च ।

केषुचित् उद्यानेषु वन्यान् मृगान् पञ्जरेषु पालयन्ति । मर्कटान्, सर्पान्, भल्लुकान्, अश्वान्, हरिणान् अपि प्रदर्शयन्ति । उद्याने अटनेन सर्वेषां जामिता नश्यति, चित्तं च प्रसन्नं भवति ।

### अभ्यासः

#### I. एकवाक्येन उत्तरं लिखत।

१) उद्यानं कथम् अस्ति ?

उ. ....

२) उद्यानस्य त्रयाणां पुष्पाणां नामानि लिखत ?

उ. ....

३) व्यायामस्य प्रयोजनं किम् ?

उ. ....

४) उद्याने अटनेन किं भवति ?

उ. ....

५) वृक्षेषु के कलरवं कुर्वन्ति ?

उ. ....

## II. रिक्तं स्थानं पूरयत।

- १) कमलेषु.....गुञ्जन्ति।
- २) वृक्षाः ..... यच्छन्ति।
- ३) सस्येषु ..... विलसन्ति।
- ४) भ्रमराः ..... चूषन्ति।
- ५) सरोवरे ..... विकसन्ति।

## III. आम् / न लिखत ।

- १) उद्याने शुद्धः वायुः वहति।
- २) नारिकेलः एकं पुष्पम् ।
- ३) जनाः लतानां छायासु विश्रान्तिं स्वीकुर्वन्ति।
- ४) उद्यानं सर्वेषां कृते सन्तोषं ददाति।
- ५) वन्यान् मृगान् पञ्जरेषु प्रदर्शयन्ति।

## IV. जलचर- वृक्ष-खग-पुष्परूपेण विभागं कुरुत।

काकः , पाटलं, बकः, हंसः, कोकिलः, वटः, कूर्मः, शुकः,  
भ्रमरः, चम्पकं, मल्लिका, आम्रः

जलचरः =

वृक्षः =

खगः =

पुष्पम् =

## V. पर्यापदानि चित्वा लिखत।

पुष्पम्, वृक्षः, जलाशयः,  
उद्यानम्, जलम्, कमलम्

पद्मम्, वाटिका, कुसुमम्  
कासारः, उपवनम्, सलिलम्  
पादपः

## VI. वर्णस्य अनुसारं विभागं कुरुत।

आकाशः, शुकः, कोकिलः मल्लिका, पर्णम्,  
काकः, क्षीरम्, समुद्रः, चन्द्रः,

| श्वेतः | नीलः | हरितः | कृष्णः |
|--------|------|-------|--------|
|        |      |       |        |
|        |      |       |        |
|        |      |       |        |

## VII. उदाहरणानुसारम् उत्तरं लिखत।

उदा → षष्ठीविभक्तिः, एकवचनम् = रामस्य (राम)

- 1) तृतीयाविभक्तिः, एकवचनम् = ..... (वाटिका)
- 2) सप्तमीविभक्तिः, एकवचनम् = ..... (भ्रमरः)
- 3) द्वितीयाविभक्तिः, बहुवचनम् = ..... (शुकः)
- 4) चतुर्थीविभक्तिः, बहुवचनम् = ..... (उद्यानम्)
- 5) पञ्चमीविभक्तिः, एकवचनम् = ..... (वृक्षः)

### VIII. कार्य के कुर्वन्ति ?

|                         |         |
|-------------------------|---------|
| उदा - कलरवं कुर्वन्ति → | पक्षिणः |
| छायां यच्छन्ति →        |         |
| उद्याने अटन्ति →        |         |
| मकरन्दं चूषन्ति →       |         |
| जले वसन्ति →            |         |

### IX. वाक्यं रचयत।

- १) सुन्दरम् : .....  
२) शुद्धम् : .....  
३) आरोग्यम् : .....  
४) क्रीडा : .....

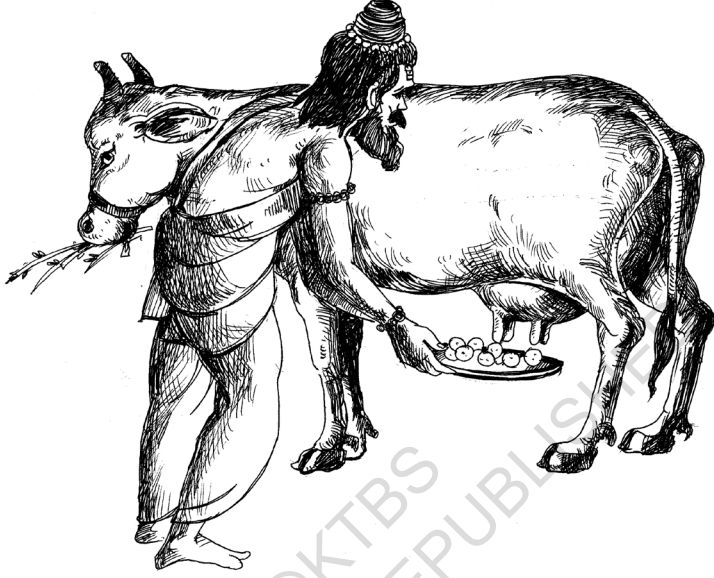
### X. चतुर्थपदं लिखत।

- १) उद्यानम् - नपुंसकलिङ्गः :: वाटिका - ..... ।  
२) विलसन्ति - प्रथमपुरुषः :: पश्यामः - ..... ।  
३) भ्रमराः - गुञ्जन्ति :: कमलानि - ..... ।  
४) वृक्षस्य - षष्ठी विभक्तिः :: छायां - ..... ।

भाषाभ्यासः - \* विविधवृक्षाणां - पुष्पाणां नामानि जानीत।

ॐॐॐॐॐॐ

त्रयोविंशः पाठ  
विश्वामित्रः



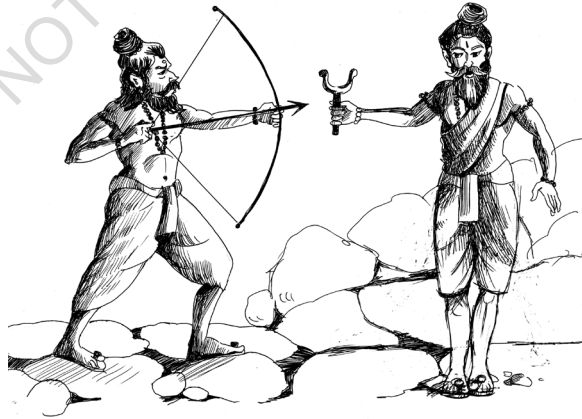
कुशिकवंशे गाधिराजः इति सुप्रसिद्धः महाराजः आसीत्। तस्य पुत्रः कौशिकः । सः एकदा सैन्येन सह भूप्रदक्षिणं करोति। यात्रासमये सः ब्रह्मर्षेः वसिष्ठस्य आश्रमं गच्छति। कौशिकः वसिष्ठं प्रणमति। वसिष्ठः कौशिकस्य समग्रपरिवारस्य आतिथ्यं करोति। तदर्थं शबला नाम धेनुः स्वादु भोजनं सिद्धं करोति। सर्वे भोजनं खादन्ति, सन्तुष्टाः भवन्ति च।

कौशिकः आश्रमस्य धेनुं ददातु इति वसिष्ठं प्रार्थयति। वसिष्ठः निराकरोति। कौशिकः बलात् धेनुं स्वीकर्तुं बहु प्रयत्नं करोति। परन्तु तस्य प्रयत्नः व्यर्थः भवति। सः राज्यं त्यजति। हिमालयं गच्छति। तपसा विविधानि अस्त्राणि प्राप्नोति।



सः दर्पेण पुनः वसिष्ठस्य आश्रमम् आगच्छति। आश्रमस्य उपरि आक्रमणं करोति। आश्रमवासिनः भीताः भवन्ति। परन्तु वसिष्ठः प्रशान्तः भवति। सः ब्रह्मदण्डं गृहीत्वा आश्रमस्य मध्यभागे तिष्ठति। कौशिकस्य प्रयत्नः विफलः भवति।

अन्ते सः ब्रह्मास्त्रस्य प्रयोगम् अपि करोति। परन्तु ब्रह्मदण्डस्य अग्रे तत् अस्त्रम् अपि शान्तं भवति।



तदा कौशिकस्य विवेकः जागृतः भवति। तस्य अहङ्कारः नष्टः भवति। तदा सः चिन्तयति - “वसिष्ठस्य समीपे ब्रह्मबलम् अस्ति। तस्य अग्रे शस्त्रबलं व्यर्थम्” इति।

अतः सः पुनः उग्रं तपः आचरति ब्रह्मर्षिः भवति च। तदारभ्य कौशिकः विश्वामित्रः इति प्रसिद्धः ।

### अभ्यासः

#### I. एकवाक्येन उत्तरं लिखत।

१) गाधिराजः कस्मिन् वंशे आसीत् ?

उ.....

२) गाधिराजस्य पुत्रः कः ?

उ.....

३) कौशिकः कस्य आश्रमम् गच्छति ?

उ.....

४) आश्रमस्य धेनोः नाम किम् ?

उ.....

५) कौशिकः कुत्र तपः करोति ?

उ.....

६) वसिष्ठस्य समीपे किम् आसीत् ?

उ.....

## II. रिक्तं स्थानं पूरयत।

- १) कौशिकः सैन्येन सह ..... करोति
- २) वसिष्ठः..... गृहीत्वा तिष्ठति।
- ३) कौशिकस्य .....नष्टः।
- ४) कौशिकः.....इति प्रसिद्धः ।
- ५) ब्रह्मबलस्य अग्रे.....व्यर्थम्।

## III. आम् / न इति लिखत।

- १) कौशिकः भूप्रदक्षिणं करोति।  
उ. ....
- २) वसिष्ठः कौशिकस्य आतिथ्यं न करोति।  
उ. ....
- ३) कौशिकस्य प्रयत्नः व्यर्थः न भवति।  
उ. ....
- ४) सः विनयेन पुनः वसिष्ठस्य आश्रमं गच्छति।  
उ. ....

#### IV. पर्यायपदं लिखत।

पुत्रः = अहङ्कारः =

धेनुः = समीपम् =

#### V. विरुद्धार्थकपदं लिखत।

प्रसिद्धः ×

उपरि ×

विवेकः ×

अस्ति ×

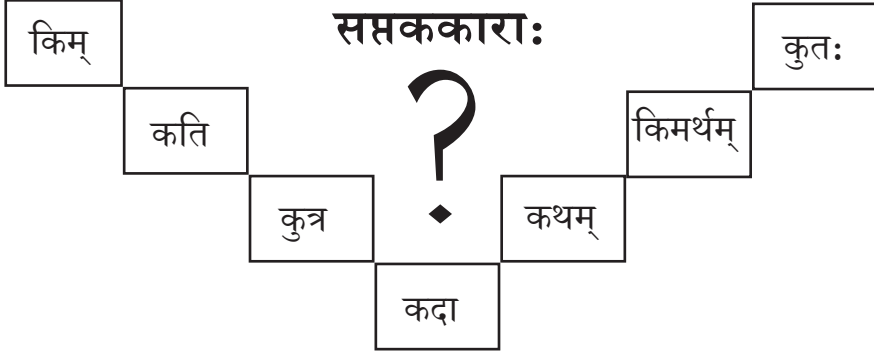
अवगच्छत ।

एकश्लोकीभागवतम्

आदौ देवकिदेविगर्भजननं गोपीगृहे वर्धनम्  
मायापूतनिजीवितापहरणं गोवर्धनोद्धारणम्  
कंसच्छेदनकौरवादिहननं कुन्तीसुताः पालनम्  
एतद्भागवतं पुराणपुण्यकथनं श्रीकृष्णलीलामृतम् ॥

## चतुरविंशः पाठः

### सप्तककाराः



- \* तव नाम किम्?  
मम नाम ..... ।
- \* देवालये कति अर्चकाः सन्ति ?  
देवालये पञ्च अर्चकाः सन्ति।
- \* चन्द्रः कुत्र राजते ?  
चन्द्रः आकाशे राजते।
- \* छात्रः कदा शालां गच्छति ?  
छात्रः सार्धनववादने शालां गच्छति।
- \* बालिका कथम् गायति ?  
बालिका मधुरं गायति।
- \* छात्रा किमर्थं शालां गच्छति ?  
छात्रा पठनार्थं शालां गच्छति।
- \* पर्णं कुतः पतति ?  
पर्णं वृक्षात् पतति।

## अभ्यासः

प्रश्नवाक्यानि लिखत।

उदा - बालकः क्षीरं पिबति।

उ. बालकः किं पिबति?

१) सः पुस्तकं पठति।

उ. ....?

२) स्यूते षट् पुष्पाणि सन्ति।

उ. ....?

३) छात्राः क्रीडाङ्गणे कीडन्ति।

उ. ....?

४) कृषकः ग्रामे वसति।

उ. ....?

५) बालिका षड्वादने उत्तिष्ठति।

उ. ....?

६) शिशोः नाम कोमला।

उ. ....?

७) फलं वृक्षे अस्ति।

उ. ....?

८) नक्षत्राणि आकाशे सन्ति।

उ. ....?

९) सः ग्रन्थालयात् पुस्तकं नयति।

उ. ....?

१०) मीनः जले वसति।

उ. ....?

११) भोजनं रुचिकरं अस्ति।

उ. ....?

१२) छात्रः पठनार्थं शालां गच्छति।

उ. ....?

१३) गृहे सप्त जनाः सन्ति।

उ. ....?

१४) पिता अष्टवादने कार्यालयं गच्छति। उ. ....?

१५) रामः चित्रकूटे वसति।

उ. ....?

पञ्चविंशः पाठः  
देशभक्तिगीतम्



अङ्गवङ्गसिन्धुराष्ट्रकूटकोटिसंयुतां  
देवसिन्धुनर्मदादिसिन्धुसङ्घशोभिताम्।  
शैलराजविन्ध्यसह्यशैलपङ्क्तिरक्षितां  
पुण्यभूमिमादरान्नमामि भारताम्बिकाम् ॥१॥

रामदासरामकृष्णबुद्धदेवमातरं  
विक्रमार्कभोजराजराजराजपालिताम्।  
भासकालिदासभट्टिबाणभारविप्रसूं  
पुण्यभूमिमादरान्नमामि भारताम्बिकाम् ॥२॥

योगिवर्यशङ्करार्यधर्ममार्गदर्शिनीं  
पूजनीयमालवीयगान्धिनेहरुसेविताम्॥  
श्रीरवीन्द्रदिव्यकाव्यलब्धकीर्तिसन्ततिं  
पुण्यभूमिमादरान्नमामि भारताम्बिकाम् ॥३॥

सत्यसत्त्वशालिनीं सुधर्ममार्गदर्शिनीं  
भुक्तिमुक्तिदायिनीं विरक्तिबुद्धिवर्धिनीं।  
पापसङ्घनाशिनीं परात्परां पुरातनीं  
पुण्यभूमिमादरान्नमामि भारताम्बिकाम् ॥४॥  
- डा. के. यस्. नागराजन् (दि)

अवगच्छत ।

अपि स्वर्णमयी लङ्का न मे लक्ष्मण रोचते।  
जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी॥

## ಶಬ್ದಕೋಷ:

ಅಜ: - ಆಡು - Goat

ಝಞ್ - ಉಣ್ಣೆ - Lenin / Wool

ಅವಿ: - ಮೇಕೆ - Sheep

ಞಃ - ಮರುಭೂಮಿ - Desert

ಅರ್ಕ: - ಸೂರ್ಯ - Sun

ಋಷ: - ಕರಡಿ - Bear

ಅರ್ಭಕ: - ಶಿಶು - Child

ಞ: - ಕೃಷ್ಣಮೃಗ - Black antelope

ಅಂಗುಲಿ - ಬೆರಳು - Finger

ಞಕ: - ಕುರಿ - Sheep

ಅಂಗುಲೀಯಕಮ್ - ಉಂಗುರ - Fingerring

ಞಲಾ - ಎಲಕ್ಕಿ - Cardamom

ಅನ್ವೇಷಣಮ್ - ಹುಡುಕು - Search

ಞಗಾರಿಕ: - ಕಳ್ಳ - Thief

ಅಭ್ಯಂಗ್ನಾನಮ್ - ಎಣ್ಣೆಸ್ನಾನ - Oilbath

ಞಕ: - ಮನೆ - House

ಅಖು: - ಇಲಿ - Rat

ಞತು: - ಬೆಕ್ಕು - Cat

ಅಪ: - ನೀರು - Water

ಞದಾರಿಕ:- ಹೊಟ್ಟೆಬಾಕ - Glutter

ಅಪಣ:- ಅಂಗಡಿ - Shop

ಅಂಸ:- ಭುಜ, ಹೆಗಲು - Shoulder

ಞಃ - ಬಾಣ - Arrow

ಕುಞ್ಚಿಕಾ- ಕೀಲಿ - Key

ಞ:- ಸೂರ್ಯ - Sun

ಕೂರ್ಮ: - ಆಮೆ - Tortoise

ಞಃ- ಅನೆ - Elephant

ಕಪಾಲ: - ಕೆನ್ನೆ - Cheek

ಞಃ - ಕಬ್ಬು - Sugarcane

ಕೂರ್ಮ:- ಮೊಣಕೈ - Elbow

ईहामृगः- ತೋಳ - Wolf

उरगः - ಹಾವು - Snake

उपदंशः - ಉಪ್ಪಿನಕಾಯಿ - Pickle

उत्खननम् - ಅಗೆತ - Digging

उड्डयनम् - ಹಾರುವುದು -

Take off (fly)

उपायनम्- ಉಡುಗೊರೆ - Gift

ऊरुः - ತೊಡೆ - Thai

ऊर्मिः - ಅಲೆ - Wave

जपाकुसुमम्- ದಾಸವಾಳ - Hibiscus

झम्पाकः - ವಾನರ - Ape

झंझावातः - ಬಿರುಗಾಳಿ - Storm

टङ्किका - ಬೆರಳಚ್ಚುಯಂತ್ರ -

Typewriter

ठक्कुरः - ವಿಗ್ರಹ - Idol

डिम्भः - ಭ್ರೂಣ - Embryo

गुडः- ಬೆಲ್ಲ - Jaggery

गोलिका- ಗುಂಡು - Bullet

घासः- ಹುಲ್ಲು - Grass

घूकः- ಗೂಬೆ - Owl

चेतः - ಮನಸ್ಸು - Intellect

चटकः- ಗುಬ್ಬಚ್ಚಿ - Sparrow

छागः - ಆಡು - Goat

जानु- ಮಂಡಿ - Knee

जलाशयः - ಕೊಳ - Pond

मृत्तिका - ಮಣ್ಣು - Clay

मार्जनम् - ಸ್ವಚ್ಛಗೊಳಿಸುವುದು

Cleaning

मधुमक्षिका - ಜೇನುನೋಣ -

Honeybee

मण्डूकः - ಕಪ್ಪೆ - Frog

मणिबन्धः - ಮಣಿಕಟ್ಟು - Wrist

ಡುಲಿ: - ಆಮೆ - Tortoise

ರಸನಾ - ನಾಲಗೆ - Tongue

ತನ್ದ್ರಾ- ತೂಕಡಿಕೆ - Drowsiness

ಲಶುನಮ್ - ಬೆಳ್ಳುಳ್ಳಿ Garlic

ನಿರ್ಜರ: - ಜಲಪಾತ - Waterfall

ಲೋಹಿತ: - ಕೆಂಪು - Red

ನಿಮ್ಬವೃಕ್ಷ - ಬೇವಿನಮರ - Neemtree

ಲಲಾಟಮ್ - ಹಣೆ - Forehead

ನಿಡಮ್- ಗೂಡು - Nest

ವಲ್ಲಭ: - ಪತಿ - Husband

ಪಿಲುಕ: - ಇರುವೆ - Ant

ವಕ್ಷ:ಸ್ಥಲಮ್- ಎದೆ - chest

ಪ್ರಕ್ಷಾಲನಮ್- ತೊಳೆಯುವುದು

ಶಾಫರ: - ಮೀನು - Fish

(ಶುದ್ಧೀಕರಿಸು) - Washing

ಶುನಕ: - ನಾಯಿ - Dog

ಪಾಷಾಣಖಂಡ:- ಕಲ್ಲಿನ ಚೂರು -

ಸನ್ನ- ಮನೆ - Home

Stonepiece

ಸ್ಕನ್ಧ:- ಹೆಗಲು - Shoulder

ಪಾಟಲಮ್ - ಗುಲಾಬಿ - Rose

ಹಾಲಿಕ:-ರೈತ - Agriculturist

ಪಿಕ್: - ಕೋಗಿಲೆ - Cuckoo

ಬ್ರೀಹಿ: -ಭತ್ತ - Paddy

ಫೇರ: - ನರಿ - Fox

ಮಾಷ: -ಉದ್ದಿನಕಾಳು - Black gram

ಬಧಿರ: -ಕಿವುಡ - Deaf

ಗೌಧೂಮ: -ಗೋಧಿ - Wheat

ಬಿಡಾಲ: - ಬೆಕ್ಕು - Cat

ತಿಲಮ್ -ಎಣ್ಣು - Sesame

ಭುಷುಂಡಿ: - ಬಂದೂಕು - Gun

ಚಣಕಮ್ -ಕಡಲೆ- Chickpea

भल्लूकः - कॢरडि - Bear

मुद्गः - ह॑स॒य॒क॒ण- Green gram

आढकम् - न॒व॒ण॑ - Navane

निष्पावः - स॒ज्जि - Bajra

कुळित्थः - ह॒र॒ण॒क॒ण- Horse gram

आढकः त॒॒ग॒रि - Toordall

निष्पावः अ॒व॒रि - Belardall

## षाण्मासिकी पाठयोजना

| मासाः                     | पाठाः                                                                          |
|---------------------------|--------------------------------------------------------------------------------|
| <b>प्रथमषाण्मासिकम्</b>   |                                                                                |
| जून                       | सम्भाषणशिविरम् (पञ्चदशदिनानि) प्रार्थना, वर्णमाला, गुणिताक्षरम् संयुक्ताक्षरम् |
| जुलै                      | चतुर्थः, पाठः, पञ्चमः पाठः, षष्ठः पाठः, सप्तमः पाठः, अष्टमः पाठः, क्रियापदम्   |
| अगस्ट्                    | नवमः पाठः, दशमः पाठः, एकादशः पाठः, द्वादशः पाठः,                               |
| सप्टम्बर्                 | शिशुगीतम्, त्रयोदशः पाठः परीक्षा                                               |
| <b>द्वितीयषाण्मासिकम्</b> |                                                                                |
| अक्टोबर्                  | चैत्रोत्सवः, द्वादशमासाः, षड्ऋतवः, अहो काकस्य मूर्खता                          |
| नवम्बर्                   | त्यागमूर्तिः रन्तिदेवः, सुभाषितानि, संख्याः, समयः                              |
| डिसम्बर्                  | महावीराचार्यः, वीरगोपालः                                                       |
| जनवरि                     | रामभक्तः मारुतिः, उद्यानम्,                                                    |
| फेब्रवरि                  | विश्वामित्रः, सप्तककाराः,                                                      |
| मार्च्                    | देशभक्तिगीतम्, पुनरावर्तनम्, परीक्षा                                           |

ॐॐॐॐॐॐ